

ग्रीनलैण्ड व कैनडा ने अमेरिका को झिड़की पिलाई

अमेरिका के उपराष्ट्रपति, जो ग्रीनलैण्ड की यात्रा पर थे, उनकी ग्रीनलैण्ड के निवासियों ने एक तरह से पूरी अवहेलना की और बहुत ही ठण्डा स्वागत किया

-अंजन रॉय-

राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो- नई दिल्ली, 29 मार्च। ग्रीनलैण्ड और डेनमार्क ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस और उनकी पत्नी को द्वीप पर दौर के दौरान कड़ी झिड़की दी है, वहीं ट्रम्प, ने ओवल ऑफिस में आनन-फानन में बुलाई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ग्रीनलैण्ड पर कब्जा करने के अपने दावे को दोहराया।

अब ट्रम्प कह रहे हैं कि वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए ग्रीनलैण्ड को अमेरिका के अधीन होना पड़ेगा। इस क्षेत्र में रूस और चीनी नौसेना के जहाजों का भारी जमावड़ा है और यह स्थिति अमेरिका के लिए भारी पड़ सकती है।

डेनमार्क और ग्रीनलैण्ड की प्रतिक्रियाओं के साथ-साथ कैनडा ने भी, जिससे अमेरिकियों को झटका लगा है। डॉनल्ड ट्रम्प ने अब कैनडा पर अपने दावों को त्याग दिया लगता है और नए प्रधानमंत्री को "गवर्नर कार्मी" कहने के बजाय, उनके आधिकारिक उपनाम से संबोधित किया।

दूसरी तरफ, इस आर्कटिक द्वीप को अपने राष्ट्र का हिस्सा बनाने के अमेरिका के रवैये के कारण ग्रीनलैण्ड के लोगों ने

यहाँ तक की ग्रीनलैण्ड के निवासियों ने सशस्त्र सामना करने की कृतसंकल्पता दिखाई. अगर, अमेरिका ने ताकत के जोर पर, ग्रीनलैण्ड पर आधिपत्य स्थापित करने का प्रयास किया। अमेरिकी आधिपत्य की संभावना इसलिए भी डीली पड़ी, क्योंकि ग्रीनलैण्ड के चारों तरफ समुद्र में, रूस व चीन दोनों देशों ने सैनिक जहाज व पनडुब्बियाँ मंडराने के लिए भेज दी थीं।

कैनडा ने भी अमेरिका को खुली चुनौती दी, अमेरिका ने कैनडा से भेजे गये सामान पर, इयूटी में भारी बढ़ोतरी की धमकी दी। चुनौती का असर हुआ और राष्ट्रपति ट्रम्प ने कैनडा के प्र.मंत्री को गवर्नर कहने के स्थान पर, सम्मान सूचक तरीके से संबोधन करना शुरु किया।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति, ग्रीनलैण्ड में भारी उत्साहपूर्ण स्वागत की आशा लिये आये तथा सांस्कृतिक संबंध जताने के लिए उन्होंने, ग्रीनलैण्ड के स्लैड डॉग शो में जाने का प्रोग्राम बनाया था, पर, उन्हें ग्रीनलैण्ड केवल एक प्रोग्राम में हिस्सा लेने तक सीमित रखा गया और उपराष्ट्रपति दम्पति केवल एक ही प्रोग्राम में शरीक हो सके, जो अमेरिका के स्पेस स्टेशन पर आयोजित किया गया था।

अमेरिका को सबक मिल रहा है कि राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा अन्य देशों की सार्वभौमिकता के बारे में की गई हल्की टिप्पणियों को स्थानीय जनता ने ज्यादा पसंद नहीं किया है।

यात्रा पर आए अमेरिकियों का भारी तिरस्कार किया।

अमेरिका को उम्मीद थी कि ग्रीनलैण्ड यात्रा के दौरान अमेरिकी उपराष्ट्रपति का उत्साहपूर्ण स्वागत होगा। उपराष्ट्रपति व उनकी पत्नी, स्थानीय इनुइट लोगों के वार्षिक स्लैड डॉग शो में सम्मिलित होकर द्वीपवासियों के साथ सांस्कृतिक संपर्क बढ़ाने वाले थे।

लेकिन इसके बजाय, इस "हाई पावर" दम्पति को बहुत ही ठंडी प्रतिक्रिया मिली और अंततः वो सांस्कृतिक कार्यक्रम और शो में भाग नहीं ले पाए। उनकी यात्रा, द्वीप के अलग-थलग हिस्से में स्थित एक अमेरिकी अंतरिक्ष स्टेशन के दौर तक सीमित रह गई। वहाँ पर भी उनका स्वागत करने के लिए कोई स्थानीय व्यक्ति मौजूद नहीं था। इस बीच, डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स रासमुसेन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्पष्ट रूप से कहा कि डेनमार्क और ग्रीनलैण्ड की सरकारों को, द्वीप की यात्रा पर आए अमेरिकियों व यू.एस. अधिकारियों की "टोन" पसंद नहीं आई है। ग्रीनलैण्डवासियों ने यहाँ तक धमकी दी थी कि यदि अमेरिका द्वीप के बलपूर्वक अधिग्रहण के अपने प्रयासों को जारी रखता है तो वे सशस्त्र संघर्ष भी (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नेपाल में हालात सामान्य, कर्फ्यू हटाया

नई दिल्ली, 29 मार्च। नेपाल में अब हालात सामान्य होते दिख रहे हैं रनिवार को काठमांडू के पूर्वी हिस्से से कर्फ्यू हटा लिया गया। शुक्रवार को राजशाही समर्थकों व सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़पों के बाद कर्फ्यू लगा दिया गया था। शुक्रवार को राजशाही की पुनर्बाहली की मांग को लेकर लोग सड़कों पर उतर आए और हालात उस समय उग्र हो गए जब प्रदर्शनकारियों ने एक राजनैतिक दल के कार्यालय पर हमला कर दिया, वाहनों में आग लगा दी और दुकानों में लूटपाट की। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस ने संसद भवन की ओर मार्च कर रही भीड़, जो पथराव कर रही थी, को रोकने के बल प्रयोग किया। हिंसा में एक टीवी कैमरामैन और एक प्रदर्शनकारी सहित दो लोगों की मौत हो गई तथा 112 लोग घायल हो गए।

म्यांमार भूकंप, 1644 की मौत 344 घायल

नेपीदा, 29 मार्च। म्यांमार में शनिवार दोपहर 3:30 बजे फिर भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.1 मापी गई। इस तरह 2 दिन में 5 से ज्यादा तीव्रता वाले तीन भूकंप आ चुके हैं। शुक्रवार को 7.7 तीव्रता के भूकंप के बाद म्यांमार में भारी तबाही हुई है। मौत का आंकड़ा 10 हजार से ज्यादा हो सकता है। यह आशंका यूनाइटेड स्टेटेजियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) ने जताई है। न्यूज एजेंसी एएफपी के मुताबिक, मरने वालों का आंकड़ा 1644 हो चुका है, जबकि 3,408 से ज्यादा लोग घायल हैं और 139 लोग लापता हैं।

अमेरिका की भारतीय निर्यात पर भारी टैरिफ लगाने की बात केवल "हौवा" निकली?

अर्थशास्त्रियों का मानना है, कुछ क्षेत्रों, जैसे वाहनों के स्पेयर पार्ट्स में निर्यात गिरेगा, पर, कई अन्य क्षेत्रों में नये विकल्प खुलेंगे, दोनों देशों के बीच व्यापार के लिए

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 मार्च। अमेरिका ने 2 अप्रैल को अपने प्रमुख व्यापारिक सहयोगियों पर "रैसिप्रोकल टैरिफ" की नीति लागू करने की घोषणा की है, अब 2 अप्रैल एकदम पास आ गई है, और भारत दोहा पर, आर्थिक उथल-पुथल के खतरे और अप्रत्याशित अवसरों, के बीच में खड़ा है। खतरे की चेतावनी देने की बजाय विशेषज्ञ तर्क दे रहे हैं कि भारत इस संकट से न केवल बिना किसी नुकसान के बाहर निकल आएगा, बल्कि पहले से ज्यादा ताकतवर बन जाएगा और निर्यात को बढ़ाने के नए रास्ते मिलेंगे।

नीति आयोग के अनुसार, प्रस्तावित अमेरिकन टैरिफ का टारगेट कुछ चुनिंदा सैक्टर ही होंगे, जिससे भारतीय निर्यात को स्थिति का लाभ उठाने के भारी अवसर मिलेंगे। आयोग के प्रोग्राम डायरेक्टर प्रवकार साहू ने नीति आयोग की तिमाही पुस्तिका "ट्रेड वॉच" के दूसरे संस्करण के विमोचन पर कहा, हम डेटा का विस्तार से विश्लेषण कर रहे हैं और शुरुआती निष्कर्ष बताते हैं कि भारत को इससे बड़ा नुकसान नहीं होगा। रैसिप्रोकल टैरिफ सिर्फ कुछ सैक्टर को ही प्रभावित करेगा और इससे हमारे निर्यात का विस्तार करने के अवसर भी पैदा हो सकते हैं।

अमेरिका के व्यापार व ट्रेड प्रतिनिधि ब्रैंडन लिंच व भारतीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के बीच चल रही इस मुद्दे पर बातचीत 29 मार्च को पूरी हो रही है तथा दोनों देशों का मानना है कि बातचीत प्रतिस्पर्धा के रूप में नहीं, बल्कि एक दूसरे के हितों पर ध्यान रखते हुए हो रही है।

उदाहरण के लिए, भारत ने अमेरिका के कृषि उत्पादन का भारत को निर्यात बढ़ाने की प्राथमिकता को ध्यान में रखा है, पर, दूसरी ओर भारत से निर्यात किए जाने वाले कृषि उत्पादन, जैसे- फल, विशेषकर अनार व अंगूर को बढ़ाने के लिए अमेरिका पर दबाव बनाया है, जो अमेरिका ने लगभग स्वीकार कर लिया है।

भारत व अमेरिका का प्रयास है कि दोनों देशों के बीच व्यापार, जो अभी 190 अरब डॉलर है, 2030 तक बढ़कर 500 अरब डॉलर हो जाये।

नीति आयोग के सदस्य अरविंद वर्मा ने इस आशावादी नजरिए का समर्थन किया। उन्होंने 2018 के एक मामले का हवाला दिया, जब अमेरिकन आयात में चीन की हिस्सेदारी कम हो गई थी, तब इससे ताईवान वियतनाम - थाइलैंड, मैक्सिको व भारत के निर्यात में भारी वृद्धि हुई थी। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक रूप से टैरिफ ने उन देशों के लिए नए द्वार खोले हैं, जो इस खाली जगह को भरने में सक्षम हैं। आसन्न टैरिफ खतरे के बावजूद, भारत ने एक सक्रिय रुख अपनाया है, तनाव को कम करने के लिए अमेरिका को महत्वपूर्ण रियायतें दी हैं। सरकारी स्रोतों के अनुसार, भारत ने अमेरिकी कृषि उत्पादों पर टैरिफ कटौती का प्रस्ताव दिया है, जिसमें बादाम, कैनबेरी, बोरबोन व्हिस्की, अखरोट, पिस्ता और (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तेजी से आगे बढ़ाएं अपने मार्केट रिटर्न को

एलआईसी इंडेक्स प्लस

UIN: 512L354V01 | Plan No.: 873

ऑनलाइन भी उपलब्ध

मार्केट रिटर्न के साथ जीवन सुरक्षा का लाभ

एक नॉन - पार, लिंक्ड, जीवन, व्यक्तिगत, बचत योजना

- मात्र ₹2,500/- के मासिक प्रीमियम से शुरुआत कीजिए
- दो फंड्स में से चुनिए - निफ्टी 50 (फ्लैक्सि स्मार्ट ग्रोथ फंड) या निफ्टी 100 (फ्लैक्सि ग्रोथ फंड) के चुनिंदा स्टॉक्स में 100% तक निवेश
- गारंटीड एडीशनस के साथ*

भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

ट्व पल आपके साथ

अधिक जानकारी के लिए आप अपने बीमा एजेंट/नजदीकी एलआईसी शाखा से संपर्क करें या आपके शहर का नाम 56767474 पर एसएमएस करें

इसका मतलब है एलआईसी मोबाइल ऐप

डिजिटल कॉल: licindia.in

कॉल सेन्टर सर्विस (022) 6827 6827

सामान्य सहायता हेतु 8976862090

हमें यहाँ फॉलो करें: LIC India Forever | IRDAI Regn No.: 512

घोषणा: बीमा फ्रोन कोलस तथा झूठे/भ्रमक प्रस्तावों से सावधान रहें. आईआरडीएआई या इनके कर्मचारी बीमा व्यवसाय जैसे कि बीमा पॉलिसियों की बिक्री, बेनास की घोषणा या प्रीमियम के निवेश, रॉयल्टी लाटना जैसे कोई भी मोतिशियाँ में शामिल नहीं होते हैं. फिन पॉलिसीधारकों का सम्पादित प्रकृति को ऐसे फोन कॉलस मिलें, वे कृपया पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज करें. कृपया किसी भी सम्पन्न से पहले किसी पुलिस को ध्यान से पढ़ लें.

लिंक्ड इन्व्हेस्ट्स प्रोडक्ट्स, पारंपरिक इन्व्हेस्ट्स प्रोडक्ट्स से भिन्न होते हैं तथा उनके साथ जोखिम घटक होते हैं. लिंक्ड इन्व्हेस्ट्स पॉलिसियों में अदा किए गए प्रीमियम पूंजी बाजार तथा सार्वजनिक रूप से उपलब्ध इंडेक्स से जुड़े निवेश जोखिम के अधीन होते हैं. फंड की कार्यप्रणालिता तथा पूंजी बाजार/सार्वजनिक रूप से उपलब्ध इंडेक्स को प्रभावित करने वाले घटकों के आधार पर सुविध के एनबीएल घट-बढ़ सकते हैं तथा भीमिंत व्यक्ति अपने निर्यात के लिए जिम्मेदार है. भारतीय जीवन बीमा निगम/लाइफ इन्व्हेस्ट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया केवल जीवन बीमा कंपनी का नाम है तथा इंडेक्स प्लस केवल लिंक्ड इन्व्हेस्ट्स संविदा का नाम है तथा किसी भी रूप में संविदा की गुणवत्ता, इसकी भारी सम्माननाओं या आमदनीयों की ओर संकेत नहीं करता है. कृपया अपने बीमा एजेंट या मध्यस्थता या इन्व्हेस्ट्स कंपनी द्वारा जारी पॉलिसी दस्तावेज से संबंधित जोखिमों और लागू प्रभावी की जानकारी प्राप्त करें. इस संविदा के अंतर्गत पेश किए गए विभिन्न फंड्स केवल फंड्स के नाम हैं तथा वे किसी भी रूप में इन प्लान्स की गुणवत्ता, उनकी भारी सम्माननाओं तथा आमदनीयों की ओर संकेत नहीं करते हैं.

देश का एकमात्र राख, नीम व नींबू से निर्मित

बर्तनों की सफाई और हाथों की दवाई

केमिकल वाले डिशवाश के इस्तेमाल से जिनके हाथ खुरदरे हो गए थे, उनके हाथों की नेचुरल हीलिंग हो रही है।

चिकनाई पर सख्त हाथों पर नर्म

पतंजलि डिशवाश बार व लिक्विड